मत्स्य जीवी सहकारी समिति लिमिटेड निबुईकला, हुजूरपुर, बहराइच, उ0प्र0 एवं अध्यक्ष श्री आशाराम मत्स्य आखेट एवं पालन की सफलता की कहानी

- समिति के अध्यक्ष का नाम – श्री आशाराम
- उम्र – 61 वर्ष
- स्थान – हुजूरपुर, बहराइच
- आर्थिक सहायता – मत्स्य, विभाग, बहराइच
- व्यवसाय – मत्स्य पालन
- सदस्य – सहकारी विपणन संघ, उत्तर प्रदेश एवं पी0एम0एम0एस0वाई0 डी0एल0सी0
- कार्य – समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष मत्स्य आखेट का कार्य, मत्स्य बीज उत्पादन, मत्स्य उत्पादन

मत्स्य जीवी सहकारी समिति लिमिटेड निबुईकला, विकासखण्ड हुजूरपुर, जनपद बहराइच, उत्तर प्रदेश (रजि0सं0 244/30.06.1989) एक सक्रिय समिति है, जिसकी स्थापना श्री जगमोहन लाल की अध्यक्षता में वर्ष 1989 में की गई थी तथा वर्तमान में कुल 43 सदस्य हैं। सदस्यों द्वारा न्याय पंचायत निबुईकला के ग्राम भंगहा बसंतपुर, जगतापुर आदि में मत्स्य आखेट का कार्य प्रति वर्ष किया जाता है। समिति के वर्तमान सचिव श्री विनोद कुमार द्वारा मत्स्य आखेट में लगभग 42 कु0 का शिकारमाही किया गया एवं प्राप्त लाभांश सभी सदस्यों में वितरित किया जाता है।

श्री आशाराम द्वारा वर्ष 1984 में 0.2 हे0 निजी भूमि पर मत्स्य पालन का कार्य बैंक द्वारा ऋण लेकर प्रारम्भ किया गया। तदुपरान्त मत्स्य विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। तत्पश्चात श्री आशाराम जी ने मत्स्य विभाग, बहराइच से सम्पर्क स्थापित कर वर्ष 2017–18 में नीली क्रान्ति योजनान्तर्गत मत्स्य बीज हैचरी निर्माण हेतु परियोजना लागत रू0 25.00 लाख के सापेक्ष अनुदान राशि रू0 10.00 लाख प्राप्त कर कार्य सुचारू रूप से शुरू किया। वर्ष 2019–20 में तालाब सुधार एवं निवेश हेतु राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत क्षेत्रफल 1.5 हेक्टेयर भूमि पर परियोजना लागत 7.5 लाख रूपये में से अनुदान राशि 3 लाख रूपये प्राप्त की। वर्तमान में अध्यक्ष एवं परिवार के सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत वृहद रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (परियोजना लागत रू0 50.00 लाख) एवं 1.4 हे0 निजी भूमि पर तालाब निर्माण में मत्स्य पालन (परियोजना लागत रू0 9.80 लाख) हेतु वर्ष 2021–22 में आवेदन स्वीकृत किया गया है। वर्तमान में श्री आशाराम द्वारा लगभग 7 हेक्टेयर तालाब पर मत्स्य पालन एवं मत्स्य बीज उत्पादन का कार्य सक्रिय रूप से किया जा रहा है। उपरोक्त हैचरी मत्स्य बीज उत्पादन की दृष्टिगत जनपद की एक उत्कृष्ट हैचरी में आती है जो कि अन्य जनपद जैसे अयोध्या, प्रयागराज, बाराबंकी, महाराजगंज, श्रावस्ती, लखनऊ, बस्ती आदि में बड़े स्तर पर मत्स्य बीज की आपूर्ति की जाती है। इनका आर्थिक एवं सामाजिक स्तर ऊंचा होने से इन्हे अनेक सामाजिक कार्यों एवं गोष्ठियों में आमंत्रित किया जाता है। अध्यक्ष श्री आशाराम द्वारा मत्स्य पालन में 150 कु0 का उत्पादन, 700 ली0 स्पान, 07 कु0 फ्राई, 40 कु0 फिंगरलिंग का उत्पादन वर्ष 2021 में किया गया, जिससे कुल 13.20 लाख रूपये का लाभ प्राप्त हुआ। मत्स्य पालक द्वारा अपनाई जा रही सघन मत्स्य पालन एवं उत्पादन तकनीकी को देखकर जनपद के अन्य विकासखण्डों के किसानों द्वारा भारतीय मेजर कार्प एवं पंगेशियस का पालन वृहद स्तर पर प्रारम्भ किया गया है।

मत्स्य विभाग द्वारा अनुदानित 1.5 हे0 निजी भूमि पर तालाब निर्माण

मत्स्य विभाग द्वारा अनुदानित मत्स्य बीज हैचरी

समिति के सदस्यों द्वारा मत्स्य आखेट

समिति के सदस्यों द्वारा मत्स्य बीज का परिवहन

समिति के सदस्यों द्वारा नदी में मत्स्य आखेट

मत्स्य बीज उत्पादन हेतु प्रेरित प्रजनन